# जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
## सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक : *भोगल* क्रमांक 133
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी दिनांक 12.11.2021

# पर्यावरण, प्रकृति एवं संतति का संरक्षण एवं संवर्धन हम सबकी जिम्मेदारी –डॉ. बिसेन

## एक एकड़ में कृषक बहुपरतीय फस्लोत्पादन से दस लाख रुपये प्रतिवर्ष कमा सकते हैं

### कृषि विवि में जैविक खेती एवं बहुपरतीय खेती पर कृषक प्रशिक्षण आयोजित

**जबलपुर 12 नवम्बर।** क्षेत्रीय जैविक खेती केन्द्र, जबलपुर द्वारा जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के सहयोग से **''जैविक खेती एवं बहुपरतीय खेती''** विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कृषि महाविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग के अंतर्गत संचालित सूक्ष्म जीव अनुसंधान एवं उत्पादन केंद्र के सभागार में आयोजित किया गया कार्यक्रम में मध्यप्रदेश राज्य के विभिन्न जिलों से लगभग 100 कृषकों ने भाग लिया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का विषय ऑर्गेनिक फार्मिंग एवं मल्टीलेयर फार्मिंग के माध्यम से किस तरह जैविक खेती टिकाऊ खेती एवं ऋषि खेती की जा सकती है ताकि भूमि का सुपोषण संरक्षण हो सके और हमारे किसान भाई अधिक से अधिक उत्पादन के साथ पर्यावरण, प्रकृति एवं मिट्टी का स्वास्थ बरकरार रख सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने अपने मुख्य आतिथ्य में कहां की आज पर्यावरण, भूमि, प्रकृति एवं संतति का संरक्षण एवं संवर्धन हम सब की महती जिम्मेदारी है आपने बताया कि जैविक खेती के माध्यम से हम भूमि, वायु एवं जल को कैसे स्वस्थ रख सकते हैं एवं आम जनमानस को होने वाली अनेक समस्याओं से बचाया जा सकता है उद्घाटन सत्र में क्षेत्रीय जैविक खेती केंद्र जबलपुर के निदेशक डॉ. अजय राजपूत ने वर्तमान में जैविक खेती की महत्ता एवं मल्टीलेयर फार्मिंग की आवश्यकता पर जोर दिया मंचासीन अतिथि जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के प्रमंडल सदस्य डॉ. बृजेश अर्जरिया, संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. दिनकर शर्मा, संयुक्त संचालक कृषि श्री के. एस. नेताम, माननीय प्रधानमंत्री द्वारा पुरस्कृत और बहुपरतीय खेती को अस्तित्व में लाने वाले श्री आकाश चौरासिया, भारत कृषक समाज के चेयरमैन डॉ. के. के. अग्रवाल, भारतीय वन सेवा, केरल जोन के श्री फनीन्द्र राव, जनेकृविवि की जैव उर्वरक उत्पादन इकाई के प्रमुख डॉ. एन. जी. मित्रा, ममत्व सेवा संस्थान के संचालक श्री दीपक पचौरी एवं श्री दीपक पारी, जे.खे.क., जबलपुर के सहायक निदेशक डॉ. ए.के. शुक्ला जबलपुर उपस्थित थे।

श्री आकाश चौरसिया द्वारा बहुपरतीय जैविक खेती पर विस्तार से कृषकों को बताया और यह भी बताया कि एक एकड़ में कृषक बहुपरतीय फस्लोत्पादन से दस लाख रुपये प्रतिवर्ष कमा सकते हैं। इसके साथ ही जैव विविधता और गौ–पालन पर भी जोर दिया।

श्री फनीन्द्र राव, आई.एफ.एस. द्वारा कहा गया कि जैविक खेती आज की आवश्यकता है और वातावरण को स्वस्थ रखने में जैविक खेती का महत्वपूर्ण स्थान है। श्री राव द्वारा यह भी कहा गया कि आज के नौनिहालों को जैविक अन्न, फल, सब्जियाँ खिलाने की आवश्यकता है क्योंकि यह हमारे भविष्य के किसान वैज्ञानिक या बड़े अधिकारी बनेंगे। श्री ब्रजेश अरजरिया ने कहा कि वे स्वयं कृषि विश्वविद्यालय से अध्ययन कर किसानों की सेवा करना अपना उद्देश्य बनाया और श्री अरजरिया कई तरीकों से किसानों की सेवा भी कर रहे हैं, इनके द्वारा कार्यक्रम की प्रशंसा की गई और कहा लगातार होते रहना चाहिये। भारत कृषक समाज के चेयरमैन इजि. के.के. अग्रवाल ने कहा कि किसानों को जैविक खेती की ओर अग्रसर करने हेतु जब तक जीवित हैं कृषकों के लिये कार्य करते रहेंगे। डॉ. एन.जी. मित्रा, जैव उर्वरक उत्पादन केन्द्र के प्रमुख द्वारा रबी के मौसम में प्रयोग होने वाले जैव उर्वरकों और उनके उपयोग के तरीकों की जानकारी दी। डॉ मित्रा द्वारा दिये गये ज्ञान से किसानों को काफी संतोष हुआ उन्होंने मित्रा जी की भूरी–भूरी प्रशंसा की। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय जैविक खेती केंद्र के माध्यम से कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन द्वारा जैविक खेती के क्षेत्र में प्रगतिशील 5 उन्नत कृषकों को भी सम्मानित किया गया, सम्मान प्राप्त करने वाले कृषक श्री आकाश चौरासिया, सागर, श्री कु. बरखा भुस्क, अमरबरा, राहपुरा (भिटोनी), श्री राजेन्द्र सिंह राठौर, अम्बा, रत्लाम, श्री श्याम लाल तिवारी, मनकेडी, बरगी नगर, जबलपुर एवं श्री नितिन सोनी, मनगुडिया, पाटन थे। इसी तारतम्य में डॉ शेखर सिंह बघेल वरिष्ठ वैज्ञानिक सूक्ष्मजीव अनुसंधान एवं उत्पादन केंद्र मृदा विज्ञान विभाग को मृदा विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु साथ ही प्रिंट मीडिया एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से किसानों को सतत जानकारी प्रदान करने हेतु सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में क्षेत्रीय जैविक खेती केन्द्र, जबलपुर डॉ. श्रीमती सरिता यादव, श्री नरेन्द्र राजेन्द्र चौधरी, श्रीमति लीना अनिल, श्री संदीप कुमार बख्शी, श्री राहुल सिंह, श्री शिव कुमार पटेल, श्री ललित कुमाएँ नाईक एवं श्रीमती शारी देवी परिहार द्वारा महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। विद्यविद्यालय के जवाहर उत्पादन केन्द्र के डॉ. राकेश साहू, वैज्ञानिक एवं श्री बबलू यदुवंशी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कार्यक्रम के अंत में समस्त प्रशिक्षाणार्थीयों कृषकों को प्रमाण पत्र एवं फलदार पौधों का वितरण किया गया।

–000–